हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 12 मई 2026

11 11वें दिन भी जारी रही नगर पालिका कर्मियों की...

12 छोटे-बड़े तालाब की बाउंड्री को चमकाया...

सोमवार को लघुसचिवालय में लगे समाधान शिविर में पहुंचकर सुनाई पीड़ा

मुकुंदपुरा की पहाड़ी पर बसे दलित परिवार बूंद-बूंद पानी को मोहताज डेढ़ महीने से जनस्वास्थ्य अधिकारियों के चक्कर काट रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भीषण गर्मी के बीच गांव मुकुंदपुरा की पहाड़ी पर बसी अनुसूचित जाति बस्ती के करीब 35 से 40 परिवार इन दिनों गहरे पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि गर्मी में लोगों को पीने तक का पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। महिलाएं खाली मटके, बाल्टियां और टोकणियां लेकर प्रदर्शन कर चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। सोमवार को परेशान ग्रामीण जिला मुख्यालय स्थित लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में पहुंचे और सीटीएम डा. मंगल सेन के सामने अपनी पीड़ा रखी। सीटीएम ने एक सप्ताह में समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया है।

- सीटीएम ने मांगा एक सप्ताह का समय

ग्रामीणों का कहना है कि उनकी बस्ती गांव के ऊंचे एवं पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। यहां पानी पहुंचाने वाली लाइन का वाल्व लंबे समय से खराब पड़ा है। जब बस्ती की तरफ पानी छोड़ा जाता है तो वाल्व से लीकेज होने लगती है और पूरा प्रेशर नहीं बन पाता। नतीजतन पानी दूसरी लाइनों में चला जाता है और ऊंचाई पर बसे घरों तक पर्याप्त जलापूर्ति नहीं हो पाती। पीड़ित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में पानी छोड़ने वाले कर्मचारी मनमानी कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार पंप ऑपरेटर अपने भाई की जगह ड्यूटी करता है और शिकायत करने पर उल्टा धमकियां देता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कर्मचारी खुले तौर पर कहता है कि "शिकायत कर दो, उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते।" ग्रामीणों ने बताया कि जब भी शिकायत होती है तो कुछ देर के लिए लाइन में तेज प्रेशर से पानी छोड़ दिया जाता है और उसकी फोटो खींचकर अधिकारियों को भेज दी जाती है। इसके बाद अपने पक्षपाती लोगों से लिखवा लिया जाता है कि शिकायत झूठी है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दिनों छठी कक्षा की एक छात्रा से भी लिखवाया गया कि बस्ती में रोज पानी आता है।

नारनौल। पेयजल के लिए लामबंद हुए मुकुंदपुरा एससी बस्ती के लोग। फोटो: हरिभूमि

विधायक से मिले, नहीं हुआ समाधान

ग्रामीणों ने बताया कि वे नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी के सामने भी यह समस्या रख चुके हैं। ग्रामीणों के अनुसार विधायक ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार नहीं है, इसलिए अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते। इससे ग्रामीणों में और निराशा बढ़ी है।

सीटीएम से उम्मीद

सोमवार को समाधान शिविर में पहुंचे ग्रामीणों में कंवर सिंह, अशोक कुमार, दानसिंह, लालाराम, विद्या, किताब, प्रेम, सावित्री, अनीता, कार्तिक सहित दर्जनभर लोग शामिल रहे। ग्रामीणों को अब सीटीएम द्वारा दिए गए एक सप्ताह के आश्वासन से उम्मीद जगी है कि शायद इस बार उनकी बस्ती तक पानी पहुंच सकेगा।

महिलाओं की पीड़ा

'घर में छोटे बच्चे हैं, पशु हैं, लेकिन पानी नहीं मिलता। कई बार दूसरे मोहल्लों से पानी भरकर लाना पड़ता है। सुबह से शाम तक पानी की चिंता लगी रहती है।' -सावित्री, ग्रामीण महिला

'भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। खाली बर्तन लेकर प्रदर्शन भी किया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।' -अनीता, ग्रामीण महिला

ग्रामीणों का आरोप

'लाइन का वाल्व खराब है, लीकेज से पानी दूसरी तरफ चला जाता है। कई बार अधिकारियों को बताया, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिलते हैं।' -कंवर सिंह, ग्रामीण

'पानी छोड़ने वाले कर्मचारी अपशब्द बोलते हैं और धमकाते हैं। शिकायत करने पर कुछ देर पानी छोड़कर फोटो खींच लेते हैं।' -अशोक कुमार, ग्रामीण

सीएम विंडो तक पहुंचा मामला

ग्रामीणों ने बताया कि वे पिछले करीब डेढ़ महीने से जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ, एक्सईएन, एसई सहित कई अधिकारियों के चक्कर काट चुके हैं। पंचकूला स्थित विभागीय टोल फ्री नंबरों पर भी शिकायत की गई, जिसके बाद मामला नारनौल अधिकारियों तक पहुंचा। ग्रामीणों का आरोप है कि नारनौल के अधिकारियों ने शिकायत पंचकूला तक पहुंचने पर नाराजगी जताई। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि जब वे विभागीय कार्यालय पहुंचे तो वहां एसडीओ की मौजूदगी में एक महिला जेई ने पहले शिकायत समाधान पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया और कहा कि बिना साइन किए समस्या का समाधान नहीं होगा। ग्रामीणों ने इस व्यवहार को दादागिरी जैसा बताया। इसके बाद परेशान लोगों ने गत 24 अप्रैल को सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज कराई, जिस पर शिकायत नंबर 041056 जारी हुआ। डीसी को भी शिकायत दी गई, लेकिन अब तक राहत नहीं मिली।

खबर संक्षेप

हत्या मामले में आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। निजामपुर थाना पुलिस ने गांव मूसनौता में हुई पुष्कर नामक व्यक्ति की हत्या के मामले में एक और आरोपित राजेंद्र वासी बडियाल की ढाणी तन बांसियाल थाना मेहाड़ा राजस्थान को देर शाम बांसियाल क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपित को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

गुवानी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आज

मंडी अटेली। गांव गुवानी में 12 मई को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर नारनौल के एक निजी अस्पताल एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से बाबा गैबीराम मंदिर परिसर में सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक लगेगा। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टर विभिन्न बीमारियों की जांच व परामर्श देंगे। सरपंच रीना यादव ने बताया कि शिविर में शुगर, ब्लड प्रेशर सहित अन्य रोगों की जांच निःशुल्क की जाएगी और दवाइयां भी मुफ्त उपलब्ध होंगी।

सिहोर के लकीराम की कार चोरी, केस दर्ज

कनीना। कनीना थाना अंतर्गत एक व्यक्ति की कार चोरी होने का मामला सामने आया है। सिहोर के रहने वाले लकीराम ने पुलिस को ऑनलाइन शिकायत देकर बताया कि बीती 30 जनवरी को वह रेवाड़ी में मौजूद था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी सफेद रंग की कार चोरी कर ली।

पीरआगा मोहल्ला में सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में सुंदरकांड पाठ का आयोजन मंगलवार रात मोहल्ला पीरआगा में हजारीलाल सैनी के निवास स्थान पर किया जाएगा। मंडल सदस्य राकेश गुप्ता ने बताया अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे।

किन्नर ग्रुप को लेकर व्यापार मंडल और सर्व समाज ने सुनाया फैसला

भेंट मांगने का अधिकार अब सिर्फ रचना किन्नर ग्रुप को

कमला भवन धर्मशाला में हुई आवश्यक बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित

कमला भवन धर्मशाला में व्यापार मंडल महेंद्रगढ़ की हुई आवश्यक बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर भेंट मांगने का एकमात्र अधिकार रचना किन्नर ग्रुप को सौंप दिया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बैठक में उपस्थित शहर के लोग। फोटो: हरिभूमि

किन्नरों के दो गुटों के बीच भेंट को लेकर चल रहे विवाद पर व्यापार मंडल महेंद्रगढ़ ने शनिवार शाम बड़ा फैसला लिया। कमला भवन धर्मशाला में व्यापार मंडल महेंद्रगढ़ की हुई आवश्यक बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर भेंट मांगने का एकमात्र अधिकार रचना किन्नर ग्रुप को सौंप दिया गया।

व्यापार मंडल प्रधान सुरेन्द्र बंटी की अध्यक्षता में हुई बैठक में इलाके के व्यापारी, धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। बैठक में किन्नरों द्वारा जबरदस्ती वसूली और गाली-गलौज की लगातार मिल रही शिकायतों पर गंभीर चर्चा हुई।

व्यापार मंडल ने अपने प्रस्ताव में साफ किया कि महेंद्रगढ़ इलाके में सबसे पहले चम्पा दादी माई भेंट मांगती थी। उनके बाद यह अधिकार बुलबुल महंत को मिला और वर्तमान में बुलबुल महंत ने यह हक रचना किन्नर को दिया है। समाज इसी परंपरा को मान्यता देता है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सुरेश सैनी प्रधान सैनी सभा, ब्राह्मण सभा प्रधान दिनेश वैध, अग्रवाल सभा प्रधान महेंद्र पंसारी, यादव सभा प्रधान अभयराम यादव, पंजाबी सभा प्रधान सुरेश अरोड़ा, सैन समाज प्रधान महावीर सैन, अंबेडकर सभा रजि प्रधान सुन्दर लाल जोरसिया, हलवाई यूनियन प्रधान लक्ष्मी नारायण सैनी, पुस्तक विक्रेता संघ प्रधान दीपक सैनी, रोहिल्ला समाज व टेलर संघ प्रधान बृज लाल रोहिल्ला, किरयाना एसोसिएशन से कन्हैया लाल पंसारी, अग्रवाल वैश्य समाज एवं दवाई विक्रेता संघ प्रधान सौभाग्य गुप्ता, स्वर्णकार संघ प्रधान लक्खीराम सोनी, जिला कांग्रेस कमेटी प्रधान सतबीर यादव झुकिया, ललित एडवोकेट, गिरधर शर्मा, पूर्व पार्षद कृष्ण जांगड़ा, शहर सुधार संघर्ष समिति प्रधान श्रीचंद बाल्मीकि, धोबी यूनियन प्रधान महेंद्र चौहान, पुष्करदत्त गुप्ता एडवोकेट, नरेश चेयरमैन, पूर्व प्रधान नगरपालिका अक्खीराम सैनी, रमेश शर्मा आरा मशीन उपप्रधान ब्राह्मण सभा, सुभाष गांधी, घीसाराम सैनी हलवाई, मुकेश झूकिया, सुरेश सैनी चांद, रेडीमेड यूनियन प्रधान सुरेश पटेल, पूर्व प्रधान नगरपालिका रमेश शर्मा, पूर्व पार्षद कुलदीप शर्मा, अंकित मिश्रा, लाला राम सैनी एडवोकेट, सुभाष महाशय आदि मौजूद रहे।

इस फैसले से शहर व इलाके में भेंट को लेकर चल रहे विवाद पर विराम लगने की उम्मीद है। व्यापारी वर्ग ने व्यापार मंडल के इस कदम का स्वागत किया है।

दूसरे गुटों पर रोक

व्यापार मंडल ने स्पष्ट किया कि आज के बाद रचना किन्नर ग्रुप के अलावा कोई अन्य किन्नर गुट या व्यक्ति महेंद्रगढ़ इलाके में भेंट नहीं मांगेगा। उल्लंघन करने पर पुलिस प्रशासन से कार्रवाई का अनुरोध किया जाएगा। प्रस्ताव की प्रतियां थाना प्रभारी महेंद्रगढ़, एसडीएम और नगर पालिका को भी भेजी गई हैं। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने ध्वनिमत से इस प्रस्ताव को पारित किया।

सख्त शर्तों के साथ मिला अधिकार

प्रस्ताव में रचना किन्नर ग्रुप के लिए शर्तें भी तय की गई हैं

- कोई जबरदस्ती, गाली-गलौज या खाली जाना, रोना धोना, ड्रामा नहीं होगा।
- भेंट जजमान की इच्छानुसार ही ली जाएगी, जैसा रचना किन्नर ने 27 और 29 अप्रैल 2026 को हलफनामे में कहा था।
- भेंट की राशि केवल किन्नर समुदाय के पास रहेगी, किसी बाहरी व्यक्ति जैसे गृहस्थी की हिस्सेदारी नहीं होगी।
- शिकायत मिलने पर व्यापार मंडल अधिकार वापस ले सकता है।

नांगल चौधरी। ज्ञापन सौंपने के लिए एसडीएम कार्यालय में एकत्रित किसान।

लूजोता पंचायत ने ज्ञापन सौंपा

सचिवालय निर्माण का प्रस्ताव कैंसिल करने की लगाई गुहार

- 14 एकड़ जमीन मुफ्त में देने को तैयार हुई जैनपुर पंचायत
- निर्धारित जमीन के एक हिस्सेदार को हाईकोर्ट से मिल चुके स्टे आर्डर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

उपायुक्त के निर्देशों पर प्रशासनिक अधिकारियों ने लूजोता पंचायत की सीमा में सचिवालय निर्माण की जमीन इक्वायर करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इसी बीच अब जमीन के विभिन्न हिस्सेदारों ने इक्वायर प्रक्रिया का विरोध करना आरंभ कर दिया है। ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ने पर पंचायत ने एसडीएम को पत्र सौंपकर सहमति प्रस्ताव को कैंसिल करने की गुहार लगाई है। दूसरी तरफ जैनपुर पंचायत ने सचिवालय निर्माण के लिए प्रशासन को 14 एकड़ जमीन मुफ्त में उपलब्ध कराने का प्रस्ताव सौंपा है।

सरपंच हेमलता ने बताया कि जिला प्रशासन के आग्रह पर पंचायत ने शहर के साथ लगती जमीन पर सचिवालय निर्माण के लिए प्रस्ताव पारित किया था। जिसके आधार पर बीते साल सचिवालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई थी, लेकिन एक हिस्सेदार ने सहमति नहीं दी। उच्च न्यायालय में याचिका दायर करके प्रक्रिया पर स्टे आर्डर प्राप्त कर लिए हैं। इसके बाद प्रशासन ने दूसरे किसानों की जमीन को अधिग्रहण करने के प्रयास शुरू कर दिए। बीते सप्ताह पैमाइश करवाकर निशानदेही की गई है, जिस पर किसान व ग्रामीणों ने विरोध दर्ज कराया है।

उन्होंने कहा कि इस जमीन पर 1954 से काश्त कर रहे हैं, इसी दौरान 1964 के लैंड एक्ट के अनुसार 1987 में 150 एकड़ जमीन पर 54 काश्तकारों को मालिकाना हक मिला था। अब किसानों की जमीन को इक्वायर करने के लिए राजस्व विभाग का रिकार्ड अपडेट कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उक्त जमीन पर कई परिवारों की आजीविका निर्भर है, इसलिए सरकार को ज्ञापन पर सहानुभूति पूर्वक विचार करके राहत देने की गुहार लगाई है। दूसरी तरफ जैनपुर के सरपंच देशराज सिराधना ने बताया कि 14 एकड़ जमीन निःशुल्क अधिग्रहण के प्रशासन को प्रस्ताव दिया है। तर्क दिया कि जमीन सड़क के साथ होने के साथ अच्छी लोकेशन पर है। इस संदर्भ में एसडीएम उमेद सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत व पंचायती पत्र उपायुक्त को भेज दिया जाएगा।

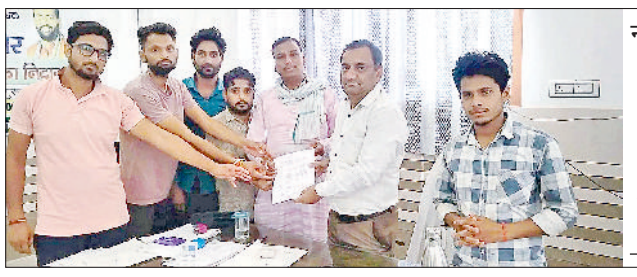

नांगल चौधरी। किन्नरों की जबरन बधाई राशि से परेशान पार्षद एसडीएम को ज्ञापन सौंपते। फोटो: हरिभूमि

किन्नरों की जबरन बधाई वसूली से परेशान, राशि निर्धारित करने की मांग

नांगल चौधरी। शहर में किन्नर समाज की जबरन हो रही बधाई वसूली से तनाव की स्थिति बनी हुई है। नपा पार्षदों ने बधाई राशि निर्धारित करके एसडीएम को ज्ञापन सौंपा, जिसमें हुड़दंग करने किन्नरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। वाइस चेयरमैन मुकेश शर्मा, पार्षद कंवरसिंह जाखड़, रिंकू सैनी, शकुंतला, धर्मेंद्र सिंह, सोनू तंवर ने बताया कि परिवार पुत्र जन्मोत्सव या शादी होने की सूचना मिलते ही 10 से 15 किन्नरों का झुंड पहुंच जाता है। मकान में जबरन घुसकर बधाई राशि देने की मांग करते हैं। वहीं महिलाओं के साथ बदतमीजी तथा अन्य औछी हरकतों से दुखी करके 10 से 15 हजार रुपये की डिमांड करते हैं। लोगों की शिकायत मिलने पर नपा पार्षदों ने वाइस चेयरमैन मुकेश शर्मा की अगुवाई में एसडीएम उमेद सिंह को ज्ञापन सौंपा। जिसमें तर्क दिया कि किन्नरों की बधाई राशि 500 रुपये निर्धारित की है। इससे अधिक राशि की डिमांड करने वाले किन्नरों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करने की मांग की है। एसडीएम उमेद सिंह ने बताया कि थाना इंचार्ज व नपा सचिव को पत्र भेजकर किन्नरों की मनमर्जी पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए जाएंगे। इसके बावजूद यदि कोई किन्नर संगठन लोगों को पैसे ऐंठने के मकसद से परेशान करेगा, तो प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा।

हर दिन नौ आत्महत्याएं, भाजपा राज में प्रदेश बना अवसाद का प्रदेश: राव नरेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने प्रदेश में बढ़ती आत्महत्याओं के मामलों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सुशासन और विकास का दावा करने वाली सरकार ने हरियाणा को निराशा, अवसाद और असुरक्षा के ऐसे दौर में धकेल दिया है, जहां आम नागरिक का जीवन लगातार संकट में पड़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी के हालिया आंकड़े बेहद भयावह और चिंता पैदा करने वाले हैं। वर्ष 2024 में हरियाणा में 3360 लोगों ने आत्महत्या की, तथ्य इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि प्रदेश का युवा, किसान, छात्र व आम नागरिक मानसिक, आर्थिक और सामाजिक दबावों के बोझ तले टूट चुका है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन हजारों परिवारों की पीड़ा और चीखें हैं, जिन्हें व्यवस्था की विफलताओं ने असहाय बना दिया।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हर दिन औसतन नौ आत्महत्याएं होना किसी भी संवेदनशील सरकार के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय होना चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार सत्ता के अहंकार में पूरी तरह संवेदनहीन हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक तनाव ने प्रदेश की जनता की उम्मीदों को कुचल दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक स्थिति युवाओं और छात्रों की है। एनसीआरबी के अनुसार 284 छात्रों ने भविष्य की असुरक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं के दबाव और बेरोजगारी से परेशान होकर अपनी जान दे दी। वहीं 678 लोगों ने बीमारी, महंगे इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाया। यह सरकार की स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा नीतियों की पूर्ण विफलता को दर्शाता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बेहद खराब है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के विपरीत प्रदेश में एक लाख की आबादी पर एक पूरा डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। सरकारी अस्पतालों में मनोचिकित्सकों और काउंसलिंग सुविधाओं की भारी कमी है, जिसके कारण मानसिक तनाव से जूझ रहे लोगों को समय पर सहायता नहीं मिल पा रही।

नगर परिषद के ईओ ने शहरहित में एकजुटता से सहयोग करने का किया आग्रह

शहर को स्वच्छ करने में करें सहयोग, अतिक्रमण किया तो खैर नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

इन दिनों हरियाणा के हर जिले में सफाई कर्मचारियों की लंबे समय से हड़ताल जारी है। शहर के लगभग हर कोने में कूड़े के ढेर देखे जा सकते है। यहीं नहीं, नगर परिषद कार्यालय में भी जगह जगह कूड़े के ढेर है। ईओ व प्रधान कार्यालय के बाहर ही कूड़े का ढेर लगा है। ऐसे में नगर परिषद अधिकारी आमजन का सहयोग मांग रहे है ताकि शहर को स्वच्छ बनाया जा सके। सोमवार हरिभूमि से बातचीत में ईओ जोगेंद्र कुमार कालीरमन ने शहरवासियों से स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित नारनौल बनाने में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद लगातार शहर की सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रही है, लेकिन इसमें आमजन का सहयोग बेहद जरूरी है।

घर और दुकान दोनों जगह रखें सूखे व गिले के दो डस्टबिन

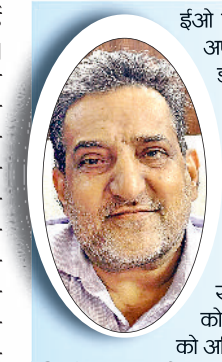

ईओ जोगेंद्र कुमार कालीरमन ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने घर और दुकान पर दो डस्टबिन अवश्य रखने चाहिए। एक डस्टबिन में सूखा कचरा तथा दूसरे में गीला कचरा डालने की आदत अपनानी होगी। इससे कचरे के सही निस्तारण में आसानी होगी और शहर को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर परिषद द्वारा डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण अभियान भी चलाया जा रहा है, इसलिए लोग कचरा सड़कों, खाली प्लॉटों या नालियों में न फेंकें। उन्होंने व्यापारियों से भी विशेष आग्रह कहा कि दुकान का सामान अपनी निर्धारित सीमा के अंदर ही रखें। सड़क, फुटपाथ और सार्वजनिक स्थानों पर सामान रखने से यातायात प्रभावित होता है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर परिषद द्वारा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। यदि किसी दुकानदार ने सड़क पर सामान रखा तो उसे जब्त किया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। ईओ ने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है और ऐसे समय में समाजसेवियों को आगे आकर मानव सेवा का कार्य करना चाहिए। उन्होंने सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडलों और दानदाताओं से शहर के प्रमुख स्थानों पर प्याऊ लगाने का आग्रह किया ताकि राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि यह सेवा पुण्य का कार्य है और समाज को इससे बड़ा लाभ मिलता है।

नंदीशाला में गोभक्तों के सहयोग की जरूरत

उन्होंने नगर परिषद की नंदीशाला को लेकर भी लोगों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि नगर परिषद की नंदीशाला शहर से दूर स्थित है, इसलिए वहां गोवंश की देखभाल के लिए समाज के गोभक्तों और दानदाताओं को आगे आना चाहिए। अन्य गोशालाओं की तरह इस नंदीशाला में भी चारा, पानी और अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग देकर पुण्य कमाया जा सकता है। ईओ ने शहर के पार्कों में घूमने आने वाले लोगों से भी स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्कों में कूड़ा फैलाने से वातावरण खराब होता है और बच्चों व बुजुर्गों को परेशानी होती है। पार्कों में नगर परिषद द्वारा डस्टबिन रखवाए गए हैं, इसलिए लोग उसी में कचरा डालें और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाएं। स्वच्छ और सुंदर शहर केवल नगर परिषद के प्रयासों से नहीं बन सकता, बल्कि इसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यदि सभी लोग मिलकर स्वच्छता, यातायात व्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होंगे तो नारनौल प्रदेश के आदर्श शहरों में शामिल हो सकता है।

हरिभूमि
सहेली

विशेष
अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई

बचपन को शीतल छांव देते पारिवारिक मूल्य

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

इस बार अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस की थीम है- परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण। बाल कल्याण के लिए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक समानता का परिवेश बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है, परिवार में पारिवारिक मूल्य हों। इस तरह के स्वस्थ और खुशगवार माहौल में बच्चे अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगे, उनका सर्वांगीण विकास होगा।

छीजते पारिवारिक मूल्य आज एक बड़ी चिंता बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा खामियाजा नई पीढ़ी को भोगना पड़ रहा है। परिवार के बिखराव ने बच्चों से बड़ों का स्नेह और सहज सुरक्षा की छांव छीन ली है। आपाधापी में गुम अभिभावक और छोटे होते जाते परिवारों के इस दौर में बच्चों की मासूमियत खो रही है। बालमन की मनुहार करने का माहौल कहीं गुम हो गया है। सही मार्गदर्शन देने वाला अपनेपन का परिवेश नहीं बचा है। वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस की थीम फैमिली सिस्टम के बदलते पैटर्न और बचपन को सहेजने वाले विषय पर ही केंद्रित है। इस साल का विषय 'फैमिलीज, इनइक्वेलिटी एंड चाइल्ड वेलबीइंग' है। असल में परिवार, असमानता और बच्चों का वेलफेयर आपस में गहराई से जुड़े हैं। ऐसे में पारिवारिक मूल्य और सामंजस्यपूर्ण परिवेश ही नई पीढ़ी को सही सुरक्षा और संबल दे सकता है।

पारिवारिक मूल्यों से जुड़ी सुरक्षा

चाइल्ड वेलबीइंग का सबसे अहम पहलू है- सुरक्षा। बच्चों की हिफाजत के मोर्चे पर परिवार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। नवजात की देखभाल से लेकर टीन एज के बदलावों भरे पड़ाव तक, अपने आंगन में मिली सुरक्षा की छांव से बढ़कर कुछ नहीं होता। हर परिस्थिति में परिवारजनों से मिला स्नेह अनमोल होता है। तकलीफदेह है कि सुरक्षा का यह साया अब सिमट रहा है। पारिवारिक मूल्य का खत्म होना इसकी सबसे बड़ी वजह है। ध्यान रहे कि परिवार से मिले जीवन मूल्य बच्चों का मन थामने का काम करते हैं। बड़ों के बर्ताव में बच्चों की सेफ्टी से जुड़ा साझा भाव लाते हैं। इस वैल्यू सिस्टम के खत्म होने से बच्चों में अपराध, अकेलापन, अवसाद और आत्महत्या के आंकड़े बढ़े हैं। यह स्थिति समग्र समाज में भयभीत करने वाली है। वहीं दूसरी ओर बहुत से परिवारों में अपने ही बच्चों के मन-जीवन को घाव देने लगे हैं, जिससे अविश्वास का परिवेश बन रहा है। कुल मिलाकर पारिवारिक मूल्यों के फीके पड़ते रंग नई पीढ़ी को असुरक्षा के स्याह घेरे में ला रहे हैं। सामने आने वाली घटनाएं भी बताती हैं कि असमानता को झेलने वाले कमजोर परिवारों में बच्चे अधिक असुरक्षित होते हैं। निम्न आय वर्ग वाले घरों में पैरेंट्स अपने बच्चे की शिक्षा और मूल्यों से पहले रोजी-रोटी के बारे में सोचते हैं। यही वजह है कि चाइल्ड वेलबीइंग के लिए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक समानता का परिवेश भी आवश्यक है।

सरोकारी सोच को बल

इंटरनेशनल-डे ऑफ फैमिलीज, परिवार के प्रति प्रेम और समर्पण को रेखांकित करने के साथ ही सामाजिक संरचना में परिवार की भूमिका को याद करने के लिए भी मनाया जाता है। पारिवारिक मूल्य ही सोशल सिस्टम में परिवार के रोल को महत्वपूर्ण बनाते हैं। देखने में आ रहा है कि पारिवारिक मूल्यों का सिमटना, सरोकारी सोच और समानता के भाव को भी कम कर रहा है। किसी भी स्तर पर असमानता और जिम्मेदार सोच की कमी व्यक्तिगत जीवन ही नहीं, समाज और देश के लिए भी नुकसानदेह है। ऐसे में समाज, देश और स्वयं इंसानों के अस्तित्व को बचाने के लिए भी पारिवारिक मूल्यों को बचाना आवश्यक है। फैमिली सिस्टम में समानता का होना, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर सहजता का परिवेश बनाता है। 'जरनल ऑफ एडोल्सेंस' में छपी रिसर्च के मुताबिक गरीब पृष्ठभूमि वाले परिवार के बच्चों को विशेष मदद की दरकार होती है। ऐसे बच्चे जानकारी जुटाने में भी कमजोर होते हैं। उनमें भावनात्मक और व्यावहारिक परेशानियां अधिक होती हैं। अभावों के बीच पलने वाले बच्चे डिप्रेशन और एंग्जाइटी के ज्यादा शिकार हो सकते हैं। ऐसे में पारिवारिक परिवेश में सरोकारी समझ पोसने के साथ ही आय, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल की इनइक्वेलिटी मिटाने का संदेश देने वाली इस वर्ष की थीम बहुत अहम है। बच्चों को बेहतर जीवन देने के लिए समानता का धरातल बनाते हुए परिवारों को मजबूत सामाजिक और आर्थिक सहायता सिस्टम से जोड़ने के प्रयास भी किए जाएंगे। स्पष्ट है कि पारिवारिक सिस्टम को मजबूती दिए बिना बच्चों को सुरक्षित भविष्य नहीं दिया जा सकता। ऐसे में जिन परिवारों के हालात कमजोर हों, समाज की सरोकारी सोच हर तरह से सहारा दे सकती है।

चुनौती और चेतावनी

आज के समय में एक ओर पारिवारिक मूल्यों को बचाना चुनौती है तो दूसरी ओर इनसे बढ़ती दूरी एक बड़ी चेतावनी है। इस स्थिति से जूझने के लिए हर परिवार को अवेयर होना होगा। नई पीढ़ी को पारिवारिक मूल्यों के सिखाने के साथ ही, सामाजिक लेवल पर भी बराबरी और आपसी समझ का परिवेश बनाना होगा। यूं भी अच्छे पारिवारिक मूल्य ही अच्छा समाज बनाते हैं। सशक्त समाज ही मजबूत राष्ट्र बनाता है। आम से लगने वाले ये नैतिक दिशा-निर्देश सदा से ही खास मानवीय भावों को खाद-पानी देते हैं। स्वस्थ जीवन और स्पष्ट-सधी सोच वाले नागरिक बनाते हैं। मौजूदा दौर की अधिकतर समस्याओं का हल फैमिली सिस्टम के जुड़ाव से निकाला जा सकता है।

मनोबल बढ़ाते पारिवारिक मूल्य

बाल कल्याण और विकास के लिए ही नहीं, बच्चों के दिलो-दिमाग को सही दिशा देने के लिए भी पारिवारिक मूल्य बहुत महत्वपूर्ण हैं। परिवार से मिले संस्कार बच्चों का व्यक्तित्व और विचार दोनों बनाते हैं। पारिवारिक संस्कार न केवल चुनौतियों का सामना करने बल्कि दूसरों की भावनाओं की कद्र करने की संवेदनशीलता भी लाते हैं। इमोशनली स्वस्थ रखते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अध्ययन के मुताबिक बच्चे हों या वयस्क, परिवार का समर्थन दोनों के भावनात्मक स्वास्थ्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। परिवार ही बच्चों को सोशल स्किल्स सीखाता है। परिवार से मिलने वाले गाइडलाइंस अपने देश से जोड़ने वाली सही समझ पोसते हैं। बच्चों को पालन-पोषण की जिम्मेदारी उठाने के साथ आगे बढ़ने के लिए संसाधन भी परिवार ही देता है। फैमिली से मिला साथ-स्नेह और मार्गदर्शन देश के भावी नागरिकों के जीवन को मनोबल की मजबूत बुनियाद देता है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट का रिसर्च कहता है कि परिवार के नजदीकी संबंध इंसान को खुशहाल बनाते हैं। फिर नई पीढ़ी के लिए तो परिवार ही पूरा संसार होता है। इस संसार में करीबी अपनों से मिली हर सार्थक सीख जिंदगी को हिम्मत से जीने का बल देती है। नेशनल काउंसिल ऑफ फैमिली रिलेशंस के मुताबिक, 'पारिवारिक मूल्य इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे सुरक्षा, मार्गदर्शन, स्नेह और समर्थन के स्रोत के रूप में एक आधार प्रदान करते हैं। पारिवारिक मूल्य सिखाकर बच्चों को भविष्य में गलत निर्णय लेने से बचाया जा सकता है।'

मिड एज में दिखेंगी स्मार्ट

अकसर बढ़ती उम्र में महिलाएं सोचने लगती हैं कि अब सजने-संवरने की उम्र बीत गई, अब सजे-संवरे तो लोग क्या कहेंगे? लेकिन आप अगर स्मार्ट लुक मेंटेन करती हैं तो आपकी पर्सनालिटी निखरने के साथ ही आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। इसके लिए क्या करें, जानिए।

जीवनशैली
प्रतिभा अग्निहोत्री

अकसर 45-50 की उम्र पार करते ही महिलाएं यह कहते सुनी जाती हैं, 'अरे इस उम्र में क्या सजना-संवरना!' देखा जाए तो उम्र सिर्फ एक नंबर होता है, आप किसी भी उम्र की हों सजना, संवरना, फैशनेबल ड्रेस पहनना न सिर्फ आपका अधिकार है बल्कि आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाने के लिए भी बहुत आवश्यक है। उम्र के हर पड़ाव पर मौसम, फैशन और अवसर के अनुकूल स्टाइल करके आप हर कहीं स्मार्ट-अट्रैक्टिव दिख सकती हैं।

उम्र को भूल जाएं: कोई ड्रेस पहनते समय अपनी उम्र को याद रखने की जगह इसे भूल जाएं। जो भी फैशन और स्टाइल करने का आपका मन कर रहा है, उसे बिना हिचक के अपनाएं। लोग क्या कहेंगें की परवाह किए बिना अपने दिल की सुनें, क्योंकि आप चाहे जो भी करें लोगों को तो कुछ न कुछ कहना ही होता है।

मनमाफिक हो ड्रेस कलर: मिड एज की महिलाएं आमतौर पर मानती हैं कि इस उम्र में डार्क कलर्ड ड्रेसेस अच्छी नहीं लगती हैं। ऐसी सोच सही नहीं है। आप ब्लैक, नेवी ब्लू, मैरून और डार्क ग्रीन जैसे कलर्स की ड्रेसेस बेफिक्र होकर पहनें। ये आप पर बहुत फबेंगे। ध्यान रखिए कि उम्र का रंग से कोई संबंध नहीं होता। आप हर उस कलर की ड्रेस को पहन सकती हैं, जो आपको पसंद हो और आपकी पर्सनालिटी को आकर्षक बनाए।

अपने वजन पर रखें कंट्रोल: उम्र बढ़ने के साथ-साथ अकसर महिलाएं अपने बढ़ते वजन के प्रति भी लापरवाह हो जाती हैं। अपनी डाइट को कंट्रोल में रखने के साथ-साथ प्रतिदिन योगा, वॉकिंग और व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, जिससे आपका शरीर एक्टिव और वजन नियंत्रण में रहेगा। इससे हर तरह की ड्रेस आप पर सूट करेगी। आप स्मार्ट नजर आएंगी।

फैशन का रखें ध्यान: आजकल बड़े ज्योमेट्रिकल, फ्लोरल और पोल्का डॉट्स प्रिंट के साथ-साथ हैवी एंब्रॉयडरी वाले प्रिंट्स वाली ड्रेसेस भी खूब चलन में हैं। आप इनमें से किसी भी प्रिंट के आउटफिट का चुनाव कर सकती हैं। आजकल कोर्ड सेट भी फैशन में हैं, इन्हें पहनकर आप फैशनेबल ही नहीं स्टाइलिश भी लगेंगी।

हेयर स्टाइल से नया लुक: आउटफिट के साथ-साथ हेयर स्टाइल पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। आमतौर पर मिडएज महिलाएं चोटी या जूड़ा बांधना पसंद करती हैं। इसकी जगह खुले बाल या लेयर्ड और शॉर्ट हेयर कट से आप अपने बालों को नया लुक दे सकती हैं। इससे बढ़ी उम्र में भी आप यंग और स्मार्ट लगेंगी। बालों के वॉल्यूम को बढ़ाने के लिए हमेशा अच्छे ब्रांडेड हेयर प्रोडक्ट्स का ही प्रयोग करें। इससे आपके बाल कमजोर नहीं होंगे और उनकी शाइन बनी रहेगी, जो आपकी बढ़ी उम्र को कम करके दिखाएगी।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- मेकअप ऐसा करें, जो आपके कॉम्प्लेक्शन को निखारे और आपकी पर्सनालिटी को यंग लुक दे।
- अपने आउटफिट और अवसर के अनुकूल ऑक्सिडाइज्ड, गोल्ड, सिल्वर या एंटीक ज्वेलरी पहन सकती हैं।
- आपके ओवरऑल लुक पर फुटवियर भी अफेक्ट करता है, आप ब्लॉक हील, हाई हील, किटेन हील या फिर स्नीकर्स को पहन सकती हैं।
- मिड एज में भी आप अपनी कोई भी मनपसंद आउटफिट पहन सकती हैं, बशर्ते उसे पहनकर अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें।
- आउटफिट से मैच करता कोई भी स्लिंग या साइड बैग आपकी लुक को यंग टच देगा।

लिविंग रूम घर का एक ऐसा स्थान होता है, जहां पर फैमिली मेंबर्स आराम से बैठकर टाइम स्पेंड करते हैं, रिलैक्स होते हैं। अगर आप चाहती हैं आपका लिविंग रूम, कंफर्टेबल होने के साथ स्टाइलिश भी दिखे तो यहां दिए जा रहे सजेशंस आपके लिए यूजफुल हो सकते हैं।

स्टाइल-कंफर्ट का कॉम्बिनेशन आपका लिविंग रूम दिखेगा अट्रैक्टिव

इंटीरियर
ललिता गोयल

अगर घर में सुकून के कोने की बात करें तो वह लिविंग रूम ही होता है। लिविंग रूम किसी भी घर का दिल होता है। यही वह जगह होती है, जहां न केवल आप मेहमानों का स्वागत करती हैं, शाम या फुर्सत के पलों में परिवार के साथ सुकून के पल बिताती हैं। दिन भर की बातों को एक-दूसरे के साथ शेयर करते हैं। ऐसे में घर के इस खास जगह का इंटीरियर सुकून भरा होना और स्पेशल होना भी जरूरी हो जाता है। आइए जानते हैं कुछ आसान तरीके, जिनसे आप अपने लिविंग रूम को बना सकती हैं, स्टाइल और सुकून का परफेक्ट कॉम्बिनेशन।

कुशन कवर: लिविंग रूम को हल्के और कंट्रास्ट कलर के अलग-अलग टेक्सचर और पैटर्न वाले कुशन कवर से रिच लुक दें। यह बदलाव पूरे कमरे की वाइब बदल देता है।

फर्नीचर का प्लेसमेंट: लिविंग रूम का फर्नीचर ऐसा रखें, जो आपस में कलेक्टेड हो लेकिन यह रूम में चलने-फिरने की जगह को न रोके।

कलर ऑप्शस: अगर लिविंग रूम छोटा है, तो व्हाइट, क्रीम या लाइट ग्रे कलर चुनें। इससे कमरा बड़ा और प्यारा दिखता है।

दीवारें: खाली दीवारें रूम को बोरिंग बनाती हैं। दीवारों पर पुराने फोटो फ्रेम या प्रिंटेड पोस्टर लगाएं। आप फैमिली फोटो का कोलाज या कुछ बजट-फ्रेंडली पेंटिंग्स से भी डेकोरेट कर सकती हैं। पुरानी कांच की कुछ बोतलों को खुद से पेंट करके इनमें लाइट लगाकर अट्रैक्टिव बना सकती हैं।

इंडोर प्लांट्स: ग्रीनरी हमेशा लग्जरी फील देती है। इंडोर प्लांट्स न सिर्फ खाली कोनों को लाइटअप करते हैं, बल्कि हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छे होते हैं। इसके लिए इंडोर प्लांट्स जैसे मनी प्लांट, स्नेक प्लांट या एलोवेरा एकदम परफेक्ट रहते हैं। ये न केवल हवा को शुद्ध करते हैं, बल्कि कमरे के खाली कोनों को एक नेचुरल और प्रीमियम लुक भी देते हैं। इंडोर प्लांट्स को पुराने चाइना कप में लगाकर सजाया जा सकता है। अगर जगह कम है, तो आप हैंगिंग पॉट्स का ऑप्शन भी चुन सकती हैं।

मॉडर्न थीम: यह थीम उन लोगों के लिए होती है, जो स्टाइल और लग्जरी पसंद करते हैं। इसमें डेकोरेशन का सामान सीधी लाइंस और जियोमेट्रिक आकारों का होता है। रंगों की बात करें तो ब्लैक, व्हाइट, ग्रे और मेटल (गोल्ड या क्रोम) फिनिश कलर्स का अधिक यूज किया जाता है। कम ऊंचाई वाले सोफे और कांच या मार्बल टॉप वाली टेबल्स से रूम को सजाया जाता है। यह थीम देखने में बहुत ही पॉलिश्ड और क्लासी लगती है।

ट्रेडिशनल-एथनिक थीम: अगर आपको भारतीय संस्कृति और कला से लगाव है और आप इस थीम से लिविंग रूम डेकोरेट करना चाहती हैं तो नक्काशीदार लकड़ी का फर्नीचर और पीतल के सजावटी सामान से लिविंग रूम को सजाएं। कमरे की दीवारों और फर्निशिंग का कलर डार्क और वाइब्रेंट जैसे मैरून, यलो, सेफ्रॉन या डार्क ग्रीन रखें। दीवारों पर मधुबनी या वारली पेंटिंग्स, फर्श पर हाथ से बुने कालीन और पारंपरिक दीए से रूम को सजाएं।

मिनिमलिस्ट थीम: यह थीम छोटे अपार्टमेंट्स के लिए बेहतरीन है। लिविंग रूम में केवल उतना ही फर्नीचर और सामान रखें, जितनी जरूरत हो। इससे कमरा बहुत खाली और शांत महसूस होता है। कमरे की दीवारों और फर्निशिंग के लिए व्हाइट, क्रीम और लाइट पेस्टल शेड्स का एक ही कलर चुनें।

(इंटीरियर डिजाइनर मेघा शर्मा से बातचीत पर आधारित)

स्किन की करें प्रॉपर केयर फेस रहेगा पिंपल्स-फ्री

स्किन केयर
निधि गोयल

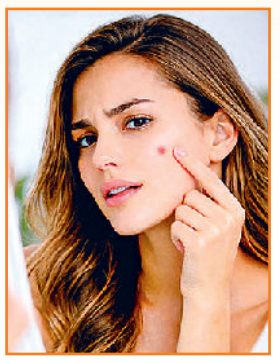

आपकी त्वचा साफ-सुथरी और चमकदार तभी नजर आती है, जब आप अपनी त्वचा का ख्याल सही तरीके से रखती हैं। ज्यादातर महिलाएं अपनी त्वचा की देखभाल पर जरूरी ध्यान नहीं देती हैं, जिस कारण उनके चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। ये मुंहासे फेशियल अपीयरेंस को बिगाड़ देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि अपनी त्वचा की देखभाल ऐसे करें, जिससे आपकी त्वचा मुंहासों से बची रहे।

फेसवॉश से चेहरे को साफ करें: सबसे जरूरी है कि आप अपने चेहरे को नियमित अच्छी तरह से साफ करें। धूल, मिट्टी चेहरे पर चिपकने के कारण मुंहासे होने की आशंका बढ़ जाती है। आपको दिन में कम से कम दो बार चेहरा अच्छी तरह साफ करना चाहिए। त्वचा के अनुसार ही फेसवॉश का इस्तेमाल करें, क्योंकि सेंसिटिव स्किन पर हर तरह का फेस वॉश सूट नहीं करता है। अपनी त्वचा को ध्यान में रखते हुए फेस वॉश को खरीदें। बार-बार चेहरे को हाथों से छूने से बचें, क्योंकि जब आप चेहरे पर बार-बार हाथ लगाती हैं तो हाथों की गंदगी और बैक्टीरिया चेहरे की त्वचा पर लग जाते है। इससे मुंहासे होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए हाथों को बार-बार चेहरे पर न लगाएं।

खूब पानी पिएं: पानी पीना पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है। आपको ध्यान रखना चाहिए कि पूरे दिन में आपको आठ से दस गिलास पानी पीना है। इससे आपकी बॉडी डिटॉक्स होती है। साथ ही शरीर में से विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इससे त्वचा ग्लो करने लगती है और आपको मुंहासों से भी छुटकारा मिलता है। आपका चेहरा चमकदार और साफ नजर आने लगता है।

लें न्यूट्रीशस डाइट: अच्छी डाइट लेना हेल्थ के लिए ही नहीं, स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। यदि आप तला-भुना और जंक फूड ज्यादा खाती हैं तो इसका असर आपकी स्किन पर भी दिखने लगता है और आपकी त्वचा पर मुंहासे निकलने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बाहर बिकने वाले स्ट्रीट फूड्स और जंक फूड्स का सेवन बंद कर दें। घर के बने ताजे, पौष्टिक खाने के अलावा फल और सब्जियों का भी अधिक सेवन करें।

तकिए का कवर साफ रखें: अकसर हम रोज जिन चीजों का इस्तेमाल कर रहे होते हैं, वो भी हमारे स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। तकिए का कवर भी इनमें से एक है। कवर को दो-तीन दिन के अंतराल पर धो लेना चाहिए, जिससे तकिए के कवर पर जमा गंदगी और तेल आपके चेहरे पर न लग सके, क्योंकि इससे मुंहासे होने का रिस्क कम हो जाएगा।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

जब जाएं डॉक्टर के पास रखें इन बातों का ध्यान

अपनी या किसी अपने की तबियत खराब होने पर जब आप डॉक्टर के पास जाएं तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशंस।

सजेशन
प्रतिभा

हम सभी को अकसर ही डॉक्टर के पास जाना पड़ता है। लेकिन कई लोग डॉक्टर के क्लीनिक या हॉस्पिटल जाते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान नहीं रखते हैं। इससे डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ को परेशानी हो सकती है, आपके ट्रीटमेंट में असुविधा हो सकती है या आपके अगल-बगल बैठे दूसरे पेशेंट असहज महसूस कर सकते हैं। मिसाल के तौर पर कुछ महिलाएं हॉस्पिटल में भी ओवर मेकअप, एक्सपोजर वाली ड्रेसेस या स्ट्रॉन्ग स्मेल वाले परफ्यूम स्प्रे करके पहुंच जाती हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो वे किसी हॉस्पिटल में नहीं, फैशन शो या फंक्शन में आई हों। इसी तरह कुछ लोग अपनी बीमारी से जुड़े जरूरी कागजात, पुरानी प्रिस्क्रिप्शन या टेस्ट रिपोर्ट या मेडिकल हिस्ट्री लेकर नहीं जाते हैं। या डॉक्टर के पास ले जाना भूल जाते हैं। पर्याप्त जानकारी के अभाव में डॉक्टर को रोग समझने और इलाज शुरू करने में बहुत परेशानी होती है।

रखें ध्यान: आप जब भी किसी प्रकार की बीमारी का इलाज करवाने डॉक्टर के पास जाएं तो यहां बताई जा रही इन बातों का ध्यान अवश्य रखें।

- सबसे पहले अपनी मेडिकल फाइल के समस्त कागजों को अपडेट करें और इसे अपने साथ अवश्य ले जाएं, क्योंकि इसके माध्यम से ही डॉक्टर आपकी केस हिस्ट्री जानकर इलाज प्रारंभ कर सकेंगे।
- डॉक्टर के पास जाते समय ड्रेस सलीकेदार पहनें। बहुत टाइट या फैशनेबल ड्रेस पहनने से बचें।
- अगर आपको डेंटल प्रॉब्लम हो तो डेंटिस्ट के पास हमेशा मुंह अच्छी तरह साफ करके जाएं। दांतों के इलाज के दौरान आपको बार-बार पानी से कुल्ला करना पड़ता है, इसलिए अपने साथ एक रूमाल ले जाएं।
- फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाते समय हमेशा लूज ड्रेसेस पहनें। साथ ही क्लोज्ड या हाईनेक गले का कुर्ता या ब्लाउज पहनकर न जाएं क्योंकि ऐसे में आपके कंधे और पीठ पर मशीन लगाने में डॉक्टर को परेशानी हो सकती है। फिजियोथेरेपी के लिए साड़ी पहनकर जाने से भी बचें। यदि आप सलवार-सूट नहीं पहनती हैं तो साड़ी के अंदर लेगिंग्स या पैंट पहनकर जाएं ताकि आप पैर और कमर की एक्सरसाइज के दौरान सहजता से ऊपर उठा सकें।

- गायनी संबंधित प्रॉब्लम होने पर गायनेकोलॉजिस्ट के पास जाने से पहले अपने प्राइवेट पार्ट्स को अच्छी तरह साफ करके और साड़ी पहनकर ही जाएं। इससे डॉक्टर को चेकअप करने में सुगमता रहती ही है।
- पैथोलॉजिकल टेस्ट करवाने जाते समय फुल स्लीव्स की टाइट ड्रेस के बजाय हाफ स्लीव या लूज ड्रेस पहनकर ही जाएं ताकि बांह से सुगमता से ब्लड सैंपल लिया जा सके।
- डॉक्टर के पास कभी-भी हैवी ज्वेलरी पहनकर और मेकअप करके न जाएं।
- एक्स-रे, सीटी स्कैन या एम.आर.आई. करवाने जाते समय किसी भी प्रकार की धातु का गहना, सेफ्टी पिन, हेयर पिन या हेयर बैंड आदि न पहनें।
- डॉक्टर के पास जाने से पहले घर पर शांति से बैठकर अपनी समस्याओं के बारे में अच्छी तरह सोच लें, ताकि आप डॉक्टर को विस्तार से अपनी समस्या के बारे में बता सकें। इसके आधार पर ही डॉक्टर आपका इलाज प्रारंभ कर सकेंगे। डॉक्टर को अपनी समस्या से जुड़ी छोटी से छोटी बात और लक्षण के बारे में जरूर बताएं।

(जे. पी. हॉस्पिटल, भोपाल की गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर सुधा अस्थाना से की गई बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

सैनिक डिफेंस अकादमी का भव्य शुभारंभ

महेंद्रगढ़। शहर के समीप डुलाना चितलांग मार्ग पर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और देश सेवा की भावना को बढ़ावा देने के लिए सैनिक डिफेंस अकादमी का हवन यज्ञ के साथ शुभारंभ किया गया। अकादमी सीईओ रोहित राव द्वारा अकादमी का विधिवत उद्घाटन किया गया तथा राधा-कृष्ण की पवित्र प्रतिमा स्थापित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। चेयरमैन डॉ. वीरेंद्र राव ने बच्चों को सैनिक अकादमी के महत्व, अनुशासन, देशभक्ति और सेना में करियर के अवसरों के बारे में प्रेरणादायक जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कोऑर्डिनेटर कपिल तथा मंजू शर्मा ने विद्यार्थियों को सैनिक अकादमी की गतिविधियों, ट्रेनिंग, अनुशासन और भविष्य में मिलने वाले अवसरों के बारे में जानकारी दी।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की हुई बैठक

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा जिला इकाई की बैठक पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में घनश्याम शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसका संचालन जिला सचिव रोशन लाल ने किया। बैठक में धर्मपाल शर्मा, जगनलाल निनानिया पूर्व राज्य उप प्रधान विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक खंड नांगल चौधरी प्रधान छोटेलाल ने कहा कि नांगल चौधरी में सदस्य संख्या 145, अटेली खंड सचिव ओमप्रकाश वर्मा ने बताया कि अटेली में सदस्य संख्या 155, नारनौल खंड प्रधान सुवालाल ने बताया खण्ड की सदस्य संख्या 110 व जिला सचिव रोशनलाल ने बताया कि महेन्द्रगढ़ में सदस्य संख्या 60 हो गई है। धर्मपाल शर्मा ने बताया कि 80 वर्ष से अधिक आयु के रिटायर्ड कर्मचारी संघ के सदस्य हैं, उनको संघ सम्मानित करेगा। इस मौके पर ओमप्रकाश दायमा, विजय सिंह यादव, सुरेश चंद, रामावतार यादव, छोटेलाल, दुलीचंद, शिवकुमार, ओमप्रकाश वर्मा, सावंत सिंह, होशियार सिंह, सुवालाल आदि मौजूद थे।

बसपा प्रत्याशी ठाकुर अत्तरलाल ने दिया खुला समर्थन

11वें दिन भी जारी रही नगर पालिका कर्मियों की हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई नारनौल ने सोमवार को अपनी हड़ताल 11वें दिन भी जारी रखी, जबकि अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल 34वें दिन में प्रवेश कर गई। कार्यक्रम की संयुक्त अध्यक्षता इकाई प्रधान भूपेंद्र सारवन और गुरदयाल सिंह ने की।

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि जब तक फायर विभाग के कर्मचारियों को इंसाफ नहीं मिलता और नगर पालिका व फायर विभाग के कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार कर्मचारियों की मांगों पर कोई गंभीर विचार नहीं कर रही और न ही बातचीत के जरिए समाधान निकालने का प्रयास कर रही है। इसी कारण कर्मचारियों में भारी नाराजगी है।

नारनौल। नपा के आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे ठाकुर अत्तरलाल। फोटो : हरिभूमि

सोमवार को अटेली से प्रत्याशी ठाकुर अत्तरलाल ने धरना स्थल पर पहुंचकर कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी कर्मचारियों की आवाज मजबूती से उठाएगी और कच्चे कर्मचारियों को पक्का कराने की मांग को सरकार तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि कई कर्मचारी पिछले 10-10 वर्षों से कच्चे तौर पर कार्य कर रहे हैं, इसलिए उन्हें नियमित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा पॉलिसी बनाकर कर्मचारियों को पक्का करने के आदेश दिए जा चुके हैं, इसके बावजूद सरकार इस दिशा में कदम नहीं उठा रही।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह सांगलिया, सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेंद्र बोयत, जिला प्रधान कौशल कुमार यादव, नगर पालिका जिला प्रधान राहुल सरवन, हरिओम, प्रदीप, सत्यपाल, अशोक, सुनील, दिनेश, ईश्वर सिंह, रवि सिंह, रविकांत, कृष्ण कुमार, दौलतराम, निरंजन लाल, देवानंद, जसवंत, रमाकांत, महेंद्र दायमा, सुरेश जदिया, लखन, आशु, दीपक, महावीर प्रसाद, राजू, सुनील बोयत, मनोज बोयत, भीम सिंह, रमेश कुमार, राजाराम, नवीन कुमार, विनोद कुमार, जोगिंदर सिंह सहित महिला मंडल की प्रधान मनोज देवी, मंजू देवी, उषा देवी, बबली देवी, मोनिका, शीला, सावित्री, सविता, सुशीला, कृष्णा, सुनीता व अन्य सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

नगर पालिका व अग्निशमन कर्मियों ने सरकार के प्रति किया विरोध-प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। विरोध प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी से जुड़ी यूनियन ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा की ओर से सोमवार को नगर पालिका सफाई कर्मचारियों व अग्निशमन कर्मचारियों की मांगों को लेकर आंदोलन के समर्थन में पालिका कार्यालय से सब्जी मंडी, आजाद चौक, मसानी चौक, ब्रह्मदेव चौक से वापस नगर पालिका कार्यालय तक जुलूस निकाला. चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी में ग्रामीण सफाई कर्मचारी जोशीले नारों के साथ अपनी एकजुटता जाहिर कर रहे थे। जुलूस की अगुवाई ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा के जिला प्रधान पवन कुमार व जिला सचिव जगदीश प्रसाद सतनाली तथा एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सूबे सिंह व जिला कमेटी के मुकेश कुमार यादव कर रहे थे। नगरपालिका सफाई कर्मचारियों व अग्निशमन कर्मचारियों के समर्थन में बोलते हुए वक्ताओं ने कहा कि सरकार अपनी हठधर्मिता को छोड़कर आन्दोलन कर रहे। कर्मचारियों की वाजिब मांगों को पूरा करें। उन्होंने सरकार से कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेका प्रथा को समाप्त करने, स्थाई कार्य के लिए स्थाई कर्मचारियों की नियुक्ति करने, न्यूनतम वेतन रूपए 30,000 लागू करने व अग्निशमन विभाग के दिवंगत दोनों कर्मचारियों को एक-एक करोड़ मुआवजा व शहीद का दर्जा देने व उनके परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर सोनू, सुभाष, राजेन्द्र, दीपक, पवन, मुकेश, राजपाल, अनिल, पवन पाली, ममन देवी, बिजेंद्र, विजय, वीरपाल, मनोज, कोका देवी, सुरेश, राजबाला, कृपा देवी सहित अनेक ग्रामीण सफाई कर्मचारी उपस्थित थे।

विद्या भारती स्कूल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

नारनौल। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। रोटरी क्लब बेलाज व रोटरी क्लब सिटी की ओर से सोमवार को विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में छात्राओं के स्वास्थ्य व स्वच्छता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें रोटरी क्लब बेलाज की प्रधान निर्मल जिंदल के सानिध्य में छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड वितरण किए गए। इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रधान निर्मल जिंदल ने कहा कि मासिक धर्म महिलाओं के शरीर की एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है। इसके लिए किसी प्रकार का संकोच या झिझक रखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता बनाए रखने व संक्रमण से बचाव के लिए सैनिटरी पैड बहुत जरूरी है। रोटरी क्लब बेलाज की सचिव डॉ. उषा यादव ने कहा कि भविष्य में भी महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य, शिक्षा व सशक्तिकरण से जुड़े ऐसे कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे। गीतांजलि चौधरी ने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ खानपान व सही जानकारी के महत्व के बारे में भी समझाया। इस मौके रोटरी क्लब बेलाज सदस्य प्रियंका संघी, इंदु गुप्ता, उषा यादव, संगीता शर्मा, नीलम चौधरी, गीतांजलि चौधरी, मुकेश यादव, बबीता गुप्ता, सत्यभामा मित्तल, सुचेता गोगिया सहित विद्यालय की कोर्डिनेटर रितु शर्मा आदि उपस्थित थे।

एनडीए में यदुवंशी का शानदार परीक्षा परिणाम

महेंद्रगढ़। टॉप रहने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यदुवंशी विद्यालय के होनहार छात्रों ने एनडीए की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय तथा क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस वर्ष विद्यालय के 31 विद्यार्थियों का चयन एनडीए के लिए हुआ, जो कि एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा साल में दो बार आयोजित होती है। चयनित विद्यार्थियों में प्रिंस पुत्र प्रीतम, जतिन कौशिक पुत्र गौरव कौशिक, सौरभ शर्मा पुत्र सज्जन कुमार, मुस्कान पुत्री वेदपाल, आर्यन राव पुत्र योगेन्द्र सिंह, जीवन यादव पुत्र राजेश कुमार, रक्षित यादव पुत्र रवि यादव, निखिल कुमार पुत्र मनोज कुमार, शुभम पुत्र संदीप कुमार, तक्षित पुत्र संजीत, तष्वीन पुत्र विनय कुमार, हर्ष पुत्र इंद्रजीत यादव, सत्यम पुत्र आदित्य यादव, भारत कुमार पुत्र प्रदीप कुमार, तरूण पुत्र सतीश कुमार, मनीष पुत्र वेदप्रकाश, पीयूश पुत्र जितेन्द्र कुमार है। यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि संस्था प्रतिवर्ष शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में भी नित नए आयाम स्थापित कर रही है। राष्ट्रसेवा ही सबसे बड़ी सेवा है और लगातार हमारे विद्यार्थी इस उत्तम सेवा की ओर तत्पर हैं। साथ ही अभिभावकों द्वारा संस्था पर विश्वास जताने पर आभार व्यक्त किया। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर बधाई दी।

सांध्य 'नित्य हलचल' पर पीएचडी बनी विश्व का प्रथम शोधकार्य

शोधार्थी डॉ. मुकुट अग्रवाल के नाम दर्ज हुआ विश्व रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा की हिंदी-पत्रकारिता के विकास में 'नित्य हलचल' की भूमिका' विषय पर सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी बड़ी से पीएचडी करने वाले शोधार्थी मुकुट अग्रवाल का नाम विश्व के किसी भी सांध्य हिंदी-दैनिक पर पीएचडी करने वाले प्रथम शोधार्थी के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है। इसके साथ ही, 'नित्य हलचल' विश्व का प्रथम सांध्य हिंदी-दैनिक बन गया है, जिस पर पीएचडी हुई है तथा सिंघानिया विश्वविद्यालय विश्व का प्रथम विश्वविद्यालय बन गया है, जहां यह शोधकार्य संपन्न हुआ है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स प्रबंधन द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र, मैडल, प्रतीक-चिह्न और टी शर्ट शोधार्थी डॉ. मुकुट अग्रवाल को भेंटकर सम्मानित किया। सिंघानिया विश्वविद्यालय के कुलपति तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी डॉ. मनोज कुमार गर्ग ने कहा कि डॉ. मुकुट अग्रवाल की यह विशिष्ट उपलब्धि सिंघानिया विश्वविद्यालय के लिए भी बड़े गौरव और गर्व का विषय है। साहित्यकार डॉ. रामनिवास 'मानव' ने भी, इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि के लिए डॉ. मुकुट अग्रवाल को बधाई देते हुए, स्पष्ट किया कि 'नित्य हलचल' जैसे किसी सांध्य हिंदी-दैनिक पर पीएचडी होना सचमुच एक ऐतिहासिक घटना है। इस अवसर पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में 20वीं शताब्दी के अंतिम दशक में हिसार से प्रकाशित 'नित्य हलचल' की संपादक रही और वर्तमान में नारनौल निवासी डॉ. कांता भारती, शोध-निर्देशक डॉ. आरती प्रजापति, उपकुलपति डॉ. पवन त्रिपाठी, कुलसचिव एमआई हाशमी, शोध-अधिष्ठाता डॉ. सुमेर सिंह, मीडिया-संकाय अधिष्ठाता डॉ. मनोज वर्गीज, लोक-संपर्क अधिकारी डॉ. मोनिका सैनी तथा ऋतु मुकुट अग्रवाल की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। ज्ञातव्य है कि उक्त शोध-प्रबंध प्रकाशित होकर शीघ्र ही पाठकों को उपलब्ध होने जा रहा है।

नारनौल। डॉ. मुकुट अग्रवाल को सम्मानित करते हुए।

राव जयराम स्कूल में करवाई गई सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

एपीजे अब्दुल कलाम से तानिया, मयंक, पलक, साक्षी, सोनम रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राव जयराम स्कूल में कक्षा छठी से 12वीं के विद्यार्थियों की एक सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के मुख्यतिथि संस्थापक डॉ. हरिसिंह व प्राचार्य नरेंद्र कुमार, जबकि अध्यक्षता ललिता यादव व अनीता यादव ने की।

निर्णायक मंडल की टीम से एकता यादव, मास्टर दीपक यादव, विभांशु मित्तल एवं अरुण कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल पांच चरण थे तथा अलग-अलग हाउस से कुल 20 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें एपीजे अब्दुल कलाम से तानिया, मयंक, पलक, साक्षी, सोनम ने 48 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। रानी लक्ष्मी बाई हाउस से अदिति, जानवी, पार्थ, हर्षिता, महक ने 44 अंक लेकर दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्राचार्य ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से बच्चों का मानसिक विकास होता है तथा बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना आती है। अंत में मुख्य अतिथि संस्थापक डॉ. हरिसिंह एवं प्राचार्य नरेंद्र कुमार ने सभी विजेताओं को पुरूस्कार वितरित किए।

महाशय नंदराम वैद्य को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

महाशय नंदराम वैद्य की श्रद्धांजलि सभा उनके पैतृक गांव बलाहा कलां उनके निवास पर संपन्न हुई। योग ऋषि स्वामी रामदेव ने श्रद्धांजलि स्वरूप काफी देर तक शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। श्रद्धांजलि सभा का मंच संचालन उनके भांजे हरियाणा युवा यादव महासभा के पूर्व जिला कार्यकारी अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता राव अनिल भगड़ाना ने किया। उनको श्रद्धांजलि देने वालों का सुबह से ही घर पर आगमन शुरू हो गया था। महाशय नंदराम की आखिरी इच्छा स्वरूप उनके परिवारजनों ने क्षेत्र की 7 गोशालाओं क्रमशः माजरी, मलपुरा, खानपुर, घासेड़ा, दादिया, लेघा, खेड़की में 5,100 रुपये प्रति गोशाला आर्थिक सहयोग की घोषणा की और उपस्थित सभी सज्जनों को महाशय नंदराम की पुस्तक विश्वास-एक दिव्य पथ की प्रति भेंट की। प्रातःकालीन शांति यज्ञ संपन्न उपरांत प्रेरणा सभा का कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसमें मुख्य रूप से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव, पूर्व विधायक व डीईटीसी राधेश्याम शर्मा, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के महामंत्री डॉ. यशदेव शास्त्री, अखिल भारतीय आर्यसमाज के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश, डॉ. बाबा शैलेन्द्र नाथ अघोरी, आचार्य डॉ. अखिलेश महाराज, स्वामी राजनाथ, बाबा फक्कड़नाथ, स्वामी समर्पणानंद, सत्यव्रत शास्त्री, ठाकुर अतरलाल, राधाकृष्ण आर्य प्रतिनिधि सभा रोहतक, आर्य समाज के जिला प्रधान धर्मवीर खातौली, डॉ. प्रेमराज यादव, कप्तान जगराम आर्य, नवनियुक्त आईएएस नितेश कुमार, कृष्ण स्वरूप, स्वामी हंसानंद, आचार्य नरेंद्र सिंह, रामकृष्ण शास्त्री बहरोड़, आचार्य योगेंद्र करनावास, शक्तिसिंह पीटीआई, विरजानंद, आचार्य ओमप्रकाश, सतबीर गादोध, सुरेंद्र जटगांवड़ा, अशोक प्राचार्य, पूर्व बीईओ भूपसिंह रंगा, पंचायत समिति चेयरमैन पंकज यादव, सरपंच प्रतिनिधि बलाहा कलां महावीर मास्टर, रामकृष्ण शास्त्री, इंद्रलाल आर्य पाथेड़ा, नीरज मेधार्थी, राधेश्याम, सरपंच अमर सिंह, रामनिवास, राजपाल, करण सिंह प्रवक्ता कांवी, रामप्रताप निहालोठ, भूपेंद्र आर्य, वेदप्रकाश आर्य सिसोठ, सहायक प्रोफेसर सुभाष जौली, बीरसिंह मेघनवास, सुमेर मेघनवास के अतिरिक्त सैंकड़ों लोगों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर धर्मपत्नी वेदवती, पुत्री मनीषा यादव, दामाद पवन को सांत्वना देते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

नारनौल। महाशय नंदराम वैद्य को श्रद्धांजलि देने के लिए पंडाल में मौजूद लोग।

आर्य समाज का वार्षिक उत्सव सम्पन्न

कनीना। पाथेड़ा गांव में आयोजित आर्य समाज के दो दिवसीय वार्षिक उत्सव का विधिवत समापन हो गया। राधा कृष्ण मन्दिर के प्रांगण में आयोजित इस दो दिवसीय समागम को लेकर इंद्रलाल शर्मा ने बताया कि समारोह में बड़ी संख्या में आर्यप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस समारोह के मुख्यातिथि आर्य प्रतिनिधि सभा रोहतक के प्रधान धर्मबीर सिंह, मंत्री विजयपाल, विजय सिंह नौताना व सुभाष चंद्र झगड़ौली थे। इंद्रलाल शर्मा ने बताया कि समागम का मुख्य उद्देश्य समाज में चरित्र निर्माण, जीवन जीने की कला, नशामुक्ति व महिला उत्थान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आमजन को जागरूक करने का रहा।

सूचना

मैं, धर्मवीर शर्मा पुत्र श्री दुलीचन्द निवासी रामबास तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र सुधीर कुमार शर्मा व उसकी पत्नी श्वेता मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सेका के राजकीय कन्या विद्यालय में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

रक्तदान के लिए उमड़ी भीड़, 51 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। शिविर में रक्तदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सेका के राजकीय कन्या विद्यालय में आयोजित रक्तदान, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। युवा शक्ति फाउंडेशन सेका व ग्रामवासियों के सहयोग से हुए इस शिविर में 51 यूनिट रक्तदान हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिवक्ता राजकुमार यादव रहे।

उन्होंने कहा रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। युवाओं से सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान समाज को नई दिशा देता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में हनुमान उपस्थित रहे। समारोह में समाजसेवा, जनहित और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कई लोग आकर्षण का केंद्र रहे। समाजसेवी पवन यादव, नरेश पटीकरा, युवा भाजपा नेता मनोज सेकवाल, गोरक्षक पंकज यादव, सिंगर साहिल सैनी नारनौलिया व डॉ. शिवकुमार की मौजूदगी ने आयोजन को विशेष स्वरूप दिया। कार्यक्रम में शीला हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परामर्श व जांच सुविधाओं का लाभ लिया।

राष्ट्रपति वीरता पदक विजेता सहित कई हस्तियां सम्मानित

समारोह में राष्ट्रपति वीरता पदक से सम्मानित आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल मनीष कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं राज्यपाल की ओर से सम्मानित समाजसेवी सूबेसिंह मास्टर, संजय योगी को भी मंच पर सम्मानित किया गया। पर्यावरण एवं पक्षी संरक्षण में कार्य कर रहे राहुल कुमार, पशु सेवा के लिए लालाराम पशु प्रेमी, युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करने वाले श्याम डिफेंस एकेडमी के कोच संदीप कुमार को भी सम्मान मिला। इनके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर गांव व प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों अमित यादव, अंकित यादव, हिमांक, अनिल कुमार को सम्मानित किया गया। वहीं शिक्षा व चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली गांव की बेटियां डॉ. ज्योति यादव, रिया, आशा, नितिका, पूनम कुमारी, श्रेया, रितु को मंच पर सम्मानित किया गया। सहायक प्रोफेसर बनने पर रितु की विशेष सराहना हुई। इस मौके पर युवा शक्ति फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी नवीन कुमार, प्रधान वेदप्रकाश व उपप्रधान कमलजीत ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक, स्वास्थ्य व जनहित के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे।

आरआरसीएम पब्लिक स्कूल में हुई गणवेश प्रतियोगिता

कनीना। आरआरसीएम पब्लिक स्कूल में विद्यालय गणवेश प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी विद्यालय गणवेश का शानदार प्रदर्शन किया। संस्था चेयरमैन रोशन लाल यादव ने कहा कि विद्यालय गणवेश का अपना विशेष महत्व होता है, जिससे विद्यार्थियों में एकता व समानता के भाव का विकास होता है। साथ ही उनमें स्वस्थ आदतों का भी विकास होता है। उन्होंने ने बताया कि विद्यालय गणवेश प्रतियोगिता से बालकों में अनुशासन की भावना व सौन्दर्य परक मूल्यों के विकास में भी मदद मिलती है। अंत मे कार्यक्रम को विद्यालय के प्राचार्य हरिप्रकाश ने भी संबोधित किया व प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर शुभकामना एवं बधाई प्रदान की।

सार्वजनिक सूचना

मै सुरेश चंद गुप्ता पुत्र रामोतार वासी मौहल्ला प्राणपुरा नारनौल जिला महेंद्रगग हरियाणा बयान करता हूं कि मेरे पिता का देहान्त दिनांक 12.09.2017 को हो गया है। उनके देहान्त के बाद उनके निम्न कानूनी वारिस हैं। 1 सुरेश चंद गुप्ता पुत्र 2 विजय लक्ष्मी पुत्री 3 भारत भूषण पुत्र 4 चेतन प्रकाश गुप्ता पुत्र 5 देवेंद्र कुमार पुत्र है। इनके अलावा उनके ओर कोई कानूनी वारिस नहीं है। इस बाबत किसी को कोई एतराज हो तो वह 30 दिन के अन्दर अपना एतराज नगर परिषद कार्यालय में लिखित मे जमा करवाएं। उक्त शपथपत्र पूर्णतया सत्य है। इसकी सारी जिम्मेदारी मेरी है।

खबर संक्षेप

पिछड़ा वर्ग-ए की हुई आम सभा

नारनौल। पिछड़ा वर्ग-ए की आम सभा का आयोजन प्रजापति चौपाल महेंद्रगढ़ में किया गया। जिसकी अध्यक्षता रतीराम टांक प्रधान प्रजापति समाज सुधार सभा महेन्द्रगढ़ ने की। सभा में मुख्य वक्ता शांता कुमार आर्य संस्थापक व संरक्षक हरियाणा पिछड़ा वर्ग कल्याण महासभा थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज उत्थान के लिए एकजुट होकर संघर्ष व कुरीतियों के उन्मूलन का आह्वान किया। शांता कुमार आर्य ने संविधान में प्रदत्त आरक्षण दिलवाने के लिए उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप की ओर से आरक्षण दिलवाने के संघर्ष की चर्चा की। सीताराम प्रधान ने समाज में सामाजिक कुरीतियों नशाखोरी, दहेज प्रथा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर जोर दिया।

एसएमओ डॉ. अशोक कुमार सेवानिवृत

नांगल चौधरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एसएमओ डॉ. अशोक कुमार स्वैच्छिक सेवानिवृत्त हो गए। इंचार्ज डॉ. विकास टेकवानी की अगुवाई में सम्मान समारोह आयोजित करके एसएमओ को भावभीनी विदाई दी। इंचार्ज डॉ. विकास टेकवानी ने बताया कि डॉ. अशोक कुमार ने 17 साल तक जिले की विभिन्न सीएचसीए, पीएचसी तथा नागरिक अस्पताल नारनौल में सेवाएं दी है। नांगल चौधरी सीएचसी में बीते करीब पांच साल से बतौर शिशु रोग विशेषज्ञ नियुक्त हैं। कार्यकाल के दौरान उन्होंने मरीजों का पूरी कर्मशीलता से इलाज किया है।

पीजी कॉलेज में एमएससी फिजिक्स का कोर्स स्वीकृत

नारनौल। क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा व खेल जगत के क्षेत्र में आज एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई है। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वर्तमान सत्र से एमएससी फिजिक्स जैसा प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की आधिकारिक मंजूरी मिल गई है। यह सफलता विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव के निरंतर प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने क्षेत्र में विज्ञान की उच्च शिक्षा हेतु बनी रिक्तता को भरने के लिए व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्य किया। इस अवसर पर जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य डॉ. राजवीर सिंह ने कहा कि पाठ्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र के मेधावी व साधन विहीन विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ के तट से दुनिया को दिया संदेश

जिले में धूमधाम से मनाया सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, शिव स्तुति की रही गूंज

- कुरुक्षेत्र से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया संबोधित
- जिला स्तरीय कार्यक्रम में विधायक ओमप्रकाश यादव पहुंचे मुख्य अतिथि के तौर पर

नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद विधायक, डीसी व अन्य। प्रदर्शनी का अवलोकन करते विधायक ओमप्रकाश यादव। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

ऐतिहासिक नगरी नारनौल सहित जिला महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिवमय और भक्ति के रंग में सराबोर रहा। श्री सोमनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का भव्य आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आगाज सुबह श्री गोपाल गोशाला स्थित श्री श्याम मंदिर से एक विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ। उसके बाद मोडावाला मंदिर में जलाभिषेक हुआ। विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। इस मौके पर लाइव टेलीकास्ट के जरिए सोमनाथ के तट से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया को संदेश दिया। वहीं इससे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र से संबोधित किया। सबसे पहले सुबह उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने स्वयं पवित्र कलश उठाकर इस यात्रा का नेतृत्व किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे। शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई यह कलश यात्रा जब मोडावाला मंदिर पहुंची, तो समूचा वातावरण हर हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर नागरिकों ने सूचना, जनसंपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग की ओर से लगाई गई विशेष प्रदर्शनी को देखा। इस प्रदर्शनी में सोमनाथ के ऋग्वैदिक काल से लेकर वर्तमान तक के एक हजार वर्षों के संघर्ष और पुनरुत्थान की जीवंत गाथा को दिखाया गया। प्रदर्शनी में पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सतयुग के स्वर्ण मंदिर से लेकर कलयुग के वर्तमान पाषाण मंदिर तक के सफर को बखूबी दर्शाया गया। कैलाश महामेरु प्रासाद शैली की वास्तुकला और सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्पों को दर्शाते चित्रों ने दर्शकों में राष्ट्र गौरव की भावना का संचार किया।

कॉलेज में लाइव देखा 'सोमनाथ स्वाभिमान महापर्व'

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय में सोमवार को 'सोमनाथ स्वाभिमान महापर्व, सोमनाथ विरासत के 75 साल' के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सामूहिक रूप से देखा गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य राजवीर सिंह के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें प्राध्यापकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कुरुक्षेत्र से संबोधन प्रसारित किया गया। प्राचार्य राजवीर सिंह ने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की आस्था, संघर्षशीलता और पुनर्जागरण का प्रतीक है।

बाघोत में मनाया सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

कनीना। श्री सोमनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गांव बाघोत के शिव मंदिर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एसडीएम डॉ. जितेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। आयोजन की शुरूआत में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भक्ति व उत्साह के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली, जिससे पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने सोमनाथ मंदिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा और उनके विचारों को सुना।

नारनौल। तालाब की सफाई करने वाले बच्चे। फोटो : हरिभूमि

छोटे-बड़े तालाब की बाउंड्री को चमकाया

प्रशासन जो काम नहीं कर पाया, नन्हें बच्चों ने कर दिखाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जहां आज लोग अपने घरों तक की जिम्मेदारी सीमित रखते हैं, वहीं शहर के कुछ बच्चों ने पूरे समाज को यह दिखा दिया कि बदलाव लाने के लिए उम्र नहीं, इरादों की जरूरत होती है। प्रशासन जिस काम को बरसों से नहीं कर पाया, उस काम को स्लम एरिया टैलेंट के बच्चों ने कई दिनों तक लगातार मेहनत करके छोटे-बड़े तालाब के चारों तरफ फैली गंदगी को साफ कर एक ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिसकी चर्चा अब पूरे क्षेत्र में हो रही है। तालाब की बाउंड्री के आसपास लंबे समय से प्लास्टिक, कूड़ा-कचरा, टूटी बोतलें और गंदगी जमा थी। लोग वहां से गुजरते तो थे, लेकिन सफाई की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई आगे नहीं आता था। ऐसे में स्लम एरिया टैलेंट के बच्चों ने खुद इस कार्य का जिम्मा उठाया। इन बच्चों ने बिना किसी सरकारी सहायता, बिना किसी बड़ी सुविधा और बिना किसी स्वार्थ के सफाई अभियान शुरू किया। हाथों में झाड़ू, कट्टे और सफाई का सामान लेकर बच्चे वहां पहुंचते रहे। तेज धूप हो या थकान, बच्चों का हौसला कभी कम नहीं हुआ और धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाने लगी। जहां पहले गंदगी का ढेर दिखाई देता था, वहीं अब पूरा क्षेत्र साफ और सुंदर नजर आने लगा। विद्यार्थी रीना, सोनाली, खुशबू, सनम, बेबी, प्रियांशी, गुंजन, सानिया, जानवी, अंतिमा, विनोद, गितांशु, जय किशन के अलावा शिक्षक पंकज व अतरिसंह का सहयोग रहा।

समाज को जगाने की कोशिश

तालाब की चारों तरफ की बाउंड्री को बच्चों ने इतनी मेहनत से साफ किया कि लोगों ने भी उनकी तारीफ करनी शुरू कर दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल सफाई अभियान नहीं, बल्कि समाज को जगाने की एक कोशिश है। जिन बच्चों को लोग अक्सर कमजोर समझते हैं, वही बच्चे आज पूरे शहर को जिम्मेदारी और जागरूकता का पाठ पढ़ा रहे हैं। इस अभियान में बच्चों ने केवल सफाई ही नहीं की, बल्कि लोगों को यह संदेश भी दिया कि अगर हर व्यक्ति अपने आसपास की जगह को साफ रखने का संकल्प ले लें, तो पूरा शहर बदल सकता है।

जनगणना कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: योगेश

एसडीएम ने कर्मचारियों को जनगणना कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

एसडीएम योगेश सैनी ने सोमवार को लघु सचिवालय परिसर में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत चल रहे मकान गणना कार्य की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जनगणना कार्य से जुड़े सुपरवाइजरों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि मकान गणना में धीमी प्रगति वाले सुपरवाइजरों को निर्देश देते हुए कहा कि जनगणना में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े सरकार की विकास योजनाओं एवं संसाधनों के उचित वितरण का आधार बनते हैं। इसलिए सभी कर्मचारी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सही जानकारी एकत्रित करें। साथ ही सुपरवाइजरों को अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनिटरिंग करने तथा फील्ड कर्मचारियों के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। एसडीएम योगेश सैनी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समाज के विभिन्न वर्गों के साथ सामाजिक सामंजस्य स्थापित करते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोगों को जनगणना के महत्व के प्रति जागरूक किया जाए तथा उनका व्यवहार आमजन के प्रति सहयोगात्मक एवं सकारात्मक होना चाहिए।

महेंद्रगढ़। अधिकारियों को निर्देश देते एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर तहसीलदार अजय कुमार, राजेश शर्मा, दीपक कुमार शर्मा, हरीश रोहिल्ला, युधिष्ठिर यादव, महेश शर्मा, सुमन लता, सुमन, अमित कुमार सहित एसडीएम कार्यालय महेंद्रगढ़ के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब कर्मचारियों को सीधे सरकार देगी लोन, पीएनबी व्यवस्था खत्म

- अब हाउस बिल्डिंग लोन, वाहन ऋण, कंप्यूटर ऋण व विवाह ऋण जैसी सुविधाएं पुराने सरकारी सिस्टम के तहत होगी उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मियों को मिलने वाले विभिन्न ऋणों को लेकर बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। राज्य सरकार ने पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से चल रही ऋण व्यवस्था को समाप्त करते हुए 1 जून 2026 से दोबारा सीधे सरकारी बजट से कर्मचारियों को लोन देने का निर्णय लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी गजट अधिसूचना और आदेशों के बाद कर्मचारियों में इस फैसले को लेकर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। सरकार के इस निर्णय के तहत अब हाउस बिल्डिंग लोन, वाहन ऋण, कंप्यूटर ऋण और विवाह ऋण जैसी सुविधाएं फिर से पुराने सरकारी सिस्टम के तहत उपलब्ध करवाई जाएंगी। इससे पहले वर्ष 2016 में राज्य सरकार ने इन ऋणों की व्यवस्था पंजाब नेशनल बैंक को सौंप दी थी।

ऋणों की व्यवस्था पंजाब नेशनल बैंक को दी थी

हालांकि 31 मई 2026 तक पीएनबी के माध्यम से लिए गए पुराने ऋणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ऐसे सभी ऋण पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ही चलते रहेंगे और कर्मचारी उनकी किस्तें पहले की तरह जमा करवाते रहेंगे। वित्त विभाग ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडल आयुक्तों, उपायुक्तों तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को इस संबंध में विस्तृत निर्देश भेज दिए हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों से कहा गया है कि वे इन आदेशों की जानकारी अधीनस्थ कार्यालयों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। सरकारी कर्मचारियों के बीच इस फैसले को पुरानी व्यवस्था की वापसी के रूप में देखा जा रहा है। कर्मचारियों का मानना है कि यदि ऋण स्वीकृति प्रक्रिया सरल और समयबद्ध रखी गई तो यह निर्णय हजारों कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकता है।

महेंद्रगढ़। लोगों की समस्यां सुनते एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

बीपीएल प्लॉट धारक इंतकाल के लिए ग्राम सचिव के पास जमा करवाएं दस्तावेज

- एसडीएम ने समाधान शिविर में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

एसडीएम योगेश सैनी (आईएएस) ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी और मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसडीएम योगेश सैनी ने राजस्व अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को बीपीएल प्लॉट के इंतकाल संबंधित कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में विभिन्न जनहित कार्यों की समीक्षा करते हुए एसडीएम ने निर्देश दिए कि जिन बीपीएल परिवार के पात्र व्यक्तियों को मिले हुए प्लॉट का अभी तक इंतकाल दर्ज नहीं हुआ है, उनके इंतकाल संबंधित कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। एसडीएम ने बताया कि जिन बीपीएल परिवारों के प्लॉट का इंतकाल अभी तक नहीं हुआ है वे सभी उम्मीदवार अपने संबंधित दस्तावेजो को अपने ग्राम पंचायत सचिव के पास जमा करवाएं ताकि पात्र परिवारों के इंतकाल दर्ज हो सके। इस अवसर पर तहसीलदार अजय सिंह, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना सरकार उठाएगी पूरा खर्च

- पात्र श्रद्धालु अब 13 तक कर सकते हैं सरल हरियाणा पोर्टल पर पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र के दर्शन के लिए पंजीकरण की तिथि बढ़ाकर 13 मई कर दी गई है। पहले इसकी अंतिम तिथि 10 मई थी। अब इच्छुक श्रद्धालु 13 मई तक सरल हरियाणा पोर्टल पर नजदीकी सीएससी सेंटर या अपने स्मार्ट फोन से पंजीकरण कर सकते हैं। उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

कल तक करवाएं पंजीकरण

डीसी ने स्पष्ट किया कि पंजीकरण करवाने वाले सभी लाभार्थियों को 13 मई सायं पांच बजे तक पुराने लघु सचिवालय में स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में अपनी सूचना देना अनिवार्य होगी, ताकि यात्रा संबंधी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने जिले के पात्र बुजुर्गों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पवित्र धाम के दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी परिवार पहचान पत्र, शारीरिक रूप से यात्रा के लिए फिट होने की स्वयं घोषणा तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है।

सरकारी महिलाकर्मी का अश्लील वीडियो बना किया सालों तक शोषण

कनीना। गुरुग्राम व महेंद्रगढ़ जिले में कार्यरत एक सरकारी महिला कर्मचारी को डरा धमकाकर सालों तक शारीरिक शोषण व उगाही करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने छानबीन कर आरोपित के खिलाफ कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। शिकायत के अनुसार आरोपित राजबीर निवासी बैरावास ने साल 2016 में पीड़िता से गलत पहचान बताकर संपर्क किया। इसके बाद में उसने अपनी पत्नी की बीमारी का बहाना बनाकर सहानुभूति हासिल की और 2017 में पीड़िता के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। आरोपित ने पीड़िता का नहाते समय अश्लील वीडियो भी बनाया, जिसे वायरल करने की धमकी देकर वह साल 2023 तक लगातार दुष्कर्म करता रहा। आरोपित ने न केवल पीड़िता का शारीरिक शोषण किया।

शिमला के एयर वाइस मार्शल मुकेश यादव बने वेपन सिस्टम्स स्कूल के कमांडेंट

नारनौल। ग्राम शिमला के लाडले भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर वाइस मार्शल मुकेश कुमार यादव अति विशिष्ट सेवा पदक, वायुसेना पदक (वीरता) को वेपन सिस्टम्स स्कूल का कमांडेंट और ट्रेनिंग कमांड का कमांड फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। नेशनल डिफेंस एकेडमी से अपने करियर की शुरूआत करने वाले एयर वाइस मार्शल यादव का 36 वर्षों की शानदार सेवा इतिहास रहा है। वह सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा के दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से बीएससी, उस्मानिया विश्वविद्यालय से एमफिल, अमेरिका की एयर यूनिवर्सिटी से एमएससी और आईआईटी मद्रास से एन्जीक्यूटिव एमबीए की डिग्री हासिल की है।

सीएम विंडो बनी नप अधिकारियों के हाथ की कठपुतली!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर के मोहल्ला देवस्थान निवासी अमित पाण्डे ने सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें एक शिकायत नगर परिषद की ओर से कोरियावास रोड पर नहर से आगे एक सड़क को अधूरी बनाकर छोड़ देने बारे दी थी। नगर परिषद के अधिकारियों की प्रख्यात नागरिक के हस्ताक्षर के साथ इस शिकायत को लगभग पौने दो साल बाद झूठ का सहारा लेकर बंद करने की कोशिश नाकामयाब रही, क्योंकि शहर के बहुत से सीएम विंडो पर शिकायतकर्ताओं को नगर परिषद में बुलाया था, उनके हस्ताक्षर यह कहकर लिए जा रहे थे कि आपका काम करवा दिया जाएगा, आप हस्ताक्षर कर दो। इसी कड़ी में शिकायतकर्ता अमित पाण्डे ने हस्ताक्षर के साथ यह लिख भी दिया कि संतुष्ट नहीं है।

नारनौल। सीएम विंडो पर की गई शिकायत की कॉपी दिखाते हुए।

राजकीय आईटीआई में मनाया 28वां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार को 28वां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा खेतानाथ प्रौद्योगिकी संस्थान से विकास व संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर देश की तकनीकी प्रगति और वैज्ञानिक नवाचारों को रेखांकित करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक और प्रतियोगी कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विकास ने बताया कि वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की मुख्य थीम जिम्मेदार नवाचार के माध्यम से समावेशी विकास निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि तकनीक का उद्देश्य केवल विकास नहींए बल्कि नैतिक और संतुलित उपयोग होना चाहिए, ताकि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की डिजिटल खाई को पाटा जा सके। संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद खंगवाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रक्षा प्रणाली, अंतरिक्ष और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भारत तेजी से स्वदेशी नवाचार कर रहा है। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों और स्टार्टअप्स की ओर से विकसित आधुनिक तकनीकों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना है। एनसीसी प्रभारी एवं युवा मामलों के जिला नोडल अधिकारी मेजर वीरेंद्र कुमार सेकवाल ने बताया कि आज के दिन पूरे देश में तकनीकी चेतना का प्रसार किया जा रहा है। इसी कड़ी में संस्थान में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी, भाषण प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

नारनौल। जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाते प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल।

राजकीय आईटीआई से संजय व प्रिंस प्रथम

उन्होंने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी में राजकीय आईटीआई से संजय व प्रिंस प्रथम, राजकीय आईटीआई महेंद्रगढ़ से निखिल और सोनू द्वितीय, पोस्टर मेकिंग में राजकीय आईटीआई से अनमोल प्रथम, राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ से अमित शर्मा द्वितीय, भाषण प्रतियोगिता में राजकीय आईटीआई से कविता प्रथम, राजकीय आईटीआई भोजावास से अंकित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर राजकीय कॉलेज महेंद्रगढ़ से डॉ. विकास गुप्ता, कार्यालय अधीक्षक सतनारायण जांगड़ा, महेंद्रगढ़ राजकीय आईटीआई के इंचार्ज संदीप यादव, डेरोली अहीर राजकीय आईटीआई के इंचार्ज राकेश सैनी, भोजावास राजकीय आईटीआई की इंचार्ज प्रमिला यादव, वर्ग अनुदेशक सुनील कोसलिया, जगदीश, अमित, गुरदयाल, राजेश, सुदर्शन, मनीषा यादव, अशोक, नीरज यादव, शक्ति सिंह आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005